वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 174 | बुधवार 19 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

14 नवंबर तक RCA चुनाव पर रोक जारी

नागौर जिला संघ के सचिव नांदू बोले- संविधान में संशोधन तक नहीं होने देंगे चुनाव

जयपुर. कासं। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव पर 14 नवंबर तक रोक जारी रहेगी। मंगलवार को RCA चुनाव को लेकर दायर की गई याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई जिसमें महेंद्र कुमार गोयल ने दौसा जिला संघ से जवाब मांगते हुए चुनाव प्रक्रिया पर रोक जारी रखने के आदेश दिए। कोर्ट के फैसले से जहां वैभव गुट के पदाधिकारी निराश हैं तो वहीं नांदू गुट के पदाधिकारियों ने कोर्ट के फैसले पर खुशी जताई है। नागौर जिला क्रिकेट संघ के सचिव राजेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही है। हमें न्याय प्रक्रिया पर पूरा विश्वास है। लेकिन जब तक राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के संविधान में संशोधन नहीं होगा। हम किसी भी सूरत में चुनाव नहीं होने देंगे। दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट में नागौर, श्रीगंगानगर, दौसा और अलवर क्रिकेट जिला संघों ने याचिका दायर की थी।

वसुंधरा राजे पर गहलोत के बयान पर पूनिया का वार: पूनिया ने कहा...

सीएम को अपने घर की नहीं, दूर पहाड़ की आग दिखी

जयपुर. कासं। राजे को लेकर गहलोत के बयान पर इखढ प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने पलटवार किया है। गहलोत ने वसुंधरा राजे के बारे में बोलते हुए कहा था- उनके साथ भाजपा जो अन्याय कर रही है, वो भी सबके सामने है। पूनिया ने ट्वीट कर गहलोत को कहा- 'डूंगर की बलती दिखै, पगां की बलती कोनी दिखे।' इस राजस्थानी कहावत का मतलब ये है कि अपने पैरों के पास जलती आग तो दिखाई नहीं देती, दूर पहाड़ पर जलती हुई आग दिखाई दे जाती है। पूनिया ने देसी कहावत के जरिए- गहलोत पर सियासी पलटवार करते हुए उन्हें आईना दिखाया है कि गहलोत को अपनी पार्टी कांग्रेस के दोष नहीं दिख रहे हैं, दूसरी पार्टी भाजपा के दिखाई दे जाते हैं।

गहलोत-पायलट खेमे में बंटी राजस्थान कांग्रेस की फूट पर निशाना

कांग्रेस पार्टी में भीतरी घमासान चल रहा है। पूनिया ने इशारों में गहलोत को सियासी जवाब दिया है। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और सीएम गहलोत के खेमे में राजस्थान में कांग्रेस पार्टी बंटी हुई है। आपसी खींचतान के बीच गहलोत सरकार 92 विधायकों से इस्तीफे भी लिखवाकर विधानसभा अध्यक्ष को दिलवा चुकी है। गहलोत सरकार ने ही 92 इस्तीफों का दावा किया है, जो अब तक स्पीकर ने स्वीकार नहीं किए हैं। कांग्रेस सरकार और पार्टी में चल रही गुटबाजी और अंदरूनी लड़ाई जब से सरकार बनी है, तभी से चल रही है। 2020 में भी सियासी संकट के दौरान गहलोत सरकार को बाड़ेबंदी में इसी कारण जाना पड़ा था। वहीं पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने जयपुर में गहलोत सरकार पर आरोप लगाए हैं कि राजस्थान में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। काम-धन्धे नहीं होने के कारण राजस्थान से लोग पलायन कर रहे हैं। वो प्रदेश छोड़कर दूसरे राज्यों में जा रहे हैं। सेंट्रल पार्क में वॉक पर गईं राजे ने कहा था कि 'मैं सुन रही हूं हमारे सब बच्चे घर छोड़-छोड़कर दूसरे स्टेट्स में जा रहे हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। वो सब यहां पर ही रहेंगे। उनके काम होंगे। उनके धन्धे लगेंगे और राजस्थान आगे बढ़ेगा।'

उपेन यादव को गुजरात पुलिस ने किया गिरफ्तार, विरोध के बाद हुए रिहा...

सीएम गहलोत की सभा में करने वाले थे प्रदर्शन

जयपुर. कासं

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव को गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद में गिरफ्तार कर लिया था जिन्हें बाद में रिहा कर दिया गया। उपने ने कहा कि 22 घंटे बाद क्राइम ब्रांच अहमदाबाद से मुझे और मेरे साथियों को रिहा कर दिया गया है ' लेकिन हम ना झुकने वाले है,ना रुकने वाले हैं अंतिम सांस तक लड़ाई लड़ेंगे। कांग्रेस सरकार युवाओं का दमन करके 2023 में वापस आने का सपना देख रही है उस सपने को अब राजस्थान के युवा साकार नहीं होने देंगे। उपेन पिछले 17 दिनों से गुजरात में राजस्थान के युवा बेरोजगारों के साथ 20 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे वहीं उपेन अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का घेराव करने वाले थे। लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर नजरबंद कर दिया है। जिसके बाद सोशल मीडिया पर देशभर में उपेन की रिहाई की मांग ट्रेंड करने लगी है। दरअसल, उपेन यादव ने 21 सूत्री मांगों को लेकर गांधी जयंती के मौके पर गुजरात के पालनपुर से अहमदाबाद तक 150 किलोमीटर पैदल मार्च निकाला। इसके बाद उन्होंने गुजरात कांग्रेस मुख्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया जहां से पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया था।

अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ का पंच दिवसीय अधिवेशन व विद्वत संगोष्ठी सम्पन्न

पारसनाथ, सम्मेद शिखर जी. कासं

अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ का 17 वां राष्ट्रीय अधिवेशन पूज्य आचार्य श्री प्रमुख सागर जी की स्वर्ण जयंती एवं संयम दिवस के अवसर पर 72 पिच्छीधारी चतुर्विध संघ के पावन सान्निध्य में तीर्थराज सम्मेद शिखरजी में 11 से 15 अक्टूबर तक विद्वत संगोष्ठी व तीर्थ वंदना के साथ सानंद सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन एडवोकेट-अलीगढ़ ने की। संगठन के महामंत्री डा.अखिल बंसल के अनुसार पंच दिवसीय इस समारोह में डॉ. राजमल कोठारी (इसरो) अहमदाबाद, डा.एस.के. जैन-इन्दौर, डा.चिरंजीलाल बगड़ा (संपादक दिशाबोध), कोलकाता,

डा.बी.एल.सेठी-जयपुर,जिनेन्द्र जैन-दिल्ली डा.शरदचंद्र-नांदेड़, डॉ रीना अनामिका -मुंबई, डॉ. मीना जैन- उदयपुर , दिनेश दगड़ा (संपादक जैन जनवाणी) कोलकाता ,डा.राजीव प्रचण्डिया-अलीगढ़,डॉ. सुशील जैन- कुरावली, श्रीमती अनुपमा जैन- हावड़ा ,डॉ. अल्पना जैन- मालेगाव,डा.ऋषभ जैन-ललितपुर, मयंक जैन-अलीगढ, योगेन्द्र जैन-दिल्ली,डा.मनोज जैन निर्लिप्त-अलीगढ ,पं.विजयकुमार जैन-मुम्बई, कमल हाथीशाह-भोपाल आदि विद्वानों ने दिए गये विषयों पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत की। स्थानीय पत्रकारों के साथ जी.डी.जैन व तुषार जैन अलीगढ़ की भी उपस्थिति रही। 13 अक्टूबर को आचार्य श्री की स्वर्ण जयंती एवं संयम महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। अंतिम दो दिन सामूहिक तीर्थवंदना का कार्यक्रम रखा जिसमें आगंतुक अतिथियों ने तीर्थराज शिखर जी की भाव सहित वंदना की।

श्री अग्रसेन शिक्षण समिति की नई टीम ने ली शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रसेन शिक्षण समिति रजि. की वर्ष 2022-27 के लिए चुनी गई नई टीम का शपथ ग्रहण समारोह आगरा रोड,स्थित अग्रवाल कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया। इस मौके पर अतिथियों ने समिति की 5 वर्ष के लिए चुनी गई 41 सदस्यीय टीम को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। अध्यक्ष एडवोकेट ओपी गुप्ता ने बताया कि प्रारंभ में समारोह के मुख्य अतिथि महामंडलेष्वर बालमुकुंदाचार्य जी महाराज, सम्माननीय अतिथि श्री अग्रवाल समाज समिति,जयपुर के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला, श्री अग्रवाल समाज समिति के महामंत्री जगदीश नारायण ताड़ी,मालवीय अरबन कॉपरेटिव बैंक के चैयरमैन आरपी अग्रवाल व चन्द्रप्रकाश राणा एमएस बांधणी वाले ने महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष गुप्ता ने समिति के कार्यों की जानकारी दी। इसके बाद समारोह के अतिथियों ने समिति के अध्यक्ष ओपी गुप्ता सहित 41 सदस्यीय टीम को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई । समारोह के दौरान सदस्यता कार्ड का विमोचन और सदस्यों को नियुक्ति पत्र भी दिए। संचालन कमल नानूवाला ने किया। समारोह में ओमप्रकाश ईटोंवाला,अशोक गर्ग,एलआर गुप्ता, पीएन अग्रवाल व लखन अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जज स्माईल दरबार की उपस्थिति में फरीदाबाद की 'आध्या मिश्रा' ने 'जयपुर आईडल-6' का खिताब जीता

एआरएल इंफोटेक के प्रमोद पहाडीया ने दी 1 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

जयपुर. शाबाश इंडिया

लंबे समय से मधुर आवाज के धनी कलाकारों को मंच प्रदान करने के लिए जयपुर आधारित विनित जैन क्रियेशन 'जयपर आईडल' ब्राण्डनेम से कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। रविवार को जयपुर आईडल के 6वें संस्करण का आयोजन वैशाली नगर विस्तार स्थित जयपुर बाग में आयोजित किया गया। सेलेब्रिटी जज स्माईल दरबार की उपस्थिति में फरीदाबाद की 'आध्या मिश्रा' ने 'जयपुर आईडल-6' का खिताब जीता है और उन्हें पुरस्कार राशि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। उन्हें एआरएल इंफोटेक के संचालक प्रमोद जैन पहाडीया ने 1 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। आयोजन में समस्त भारत से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जयपुर आईडल-6 के अब तक 3 राउंड हो चुके थे और फाईनल राउंड के लिए 19 सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को चुना गया था। इन 19 प्रतिभागियों ने वॉलिवुड के गानों पर शानदार प्रस्तुति दी, जिन्होंने आगन्तुक मेहमानों,ज्यूरी व जजों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को सहयोग एएलसीएस (हेयर ट्रांसप्लांट एंड कॉस्मेटिक सर्जरी), लाइव शो मैनेजमेंट कॉन्ट्रेक्ट एंड मूवीः मारेवा मोशन पिक्चर्स, वेन्यू पार्टनरः जयपुर बाग, **फूड पार्टनरः** महाराजा कैटर्स, चार्ट पार्टनरः बीटीडब्ल्यू, स्नेक्स पार्टनरः गुलाब रसोई व चायसा, क्लब पार्टनरः रागा क्लब, डिजिटल पार्टनरः क्रियेटिव खिड़की, फोटोग्राफी पार्टनरः डीएस मीडिया, ट्रॉफी पार्टनरःएसएसपी इवेंट्स, साउंड पार्टनरः ऑडियो विजुअल , एलईडी पार्टनरः एसके कम्यूनिकेशन, टेलेंट पार्टनरः टीआरपी टेलेंट, डांस ट्रूपः एट्रेक्शंस, पीआर पार्टनर : ऋषभ एडवर्टाइजिंग, पब्लिसिटी पार्टनरः बिजनेस रेमेडीज और हॉस्पिटेलिटी पार्टनरः हॉलिडे इन्न का रहा। कार्यक्रम के प्रचार संयोजक राजकुमार बैद ने बताया कि जयपुर आईडल-6 के सेलेब्रेटी जज स्माईल दरबार को प्रमोद जैन, सुनील अरोड़ा, विनित जैन, सुनील सौखिया रमाकांत, पूजा राजदीप सिंह, आंकाशा अरोड़ा द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के जज पं. आलोक भट्ट, अमीन साबरी, गोपाल सिंह राठौर, डॉ.माया, रानी टांक, मोहम्मद वकील एवं कार्यक्रम की ज्यूरी रविन्द्र उपाध्याय, संजय रायजादा, रहमान अली, जावेद हुसैन, दिलवार हुसैन,हिरेन्द्र कुमार भट्ट, संपत्त मुखर्जी, शाहीद खान, गुलजार हुसैन, संगीता शर्मा, डॉ.पूजा राठौर, मधु भट्ट, रतिका जैन थे। कार्यक्रम का मंच संचालन आदित्य शर्मा एवं दिपाली विजय द्वारा किया गया, जिन्हें म्युजिक डायरेक्टर स्माईल दरबार द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आगन्तुक मेहमानों के लिए रिफ्रेशमेंट, चाट, कॉफी और डीनर की उत्तम व्यवस्था थी। कार्यक्रम के अंत में विनित जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा ब्लड डोनेशन कैम्प में 140 यूनिट रक्त एकत्र किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष रवींद्र नाथ और शिविर के मुख्य आयोजक केशव- सपना गोदिका ने बताया कि रक्तदान शिविर में विधायक कालीचरण सर्राफ, निगम के डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावट,समाज कल्याण विभाग की अध्यक्षा श्रीमती अर्चना शर्मा, सहित राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष पांड्या, SRK हॉस्पिटल के निदेशक डॉ राकेश, डॉ एस पी शर्मा, जयपुर ने सभी ब्लड डोनर्स को प्रोत्साहित किया और सभी को ब्लड डोनेट करने के लिए शुभकामना दी। क्लब चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया की दीप प्रज्वलन महावीर - मुन्नी देवी गोदिका किया। क्लब सचिव बी पी मूँगडा ने बताया कि शिविर मे 140 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। सभी रक्तदाताओं को यातायात अवेयरनेस के अंतर्गत पोस्टर व हेलमेट तथा प्रमाण पत्र भी दिये गये।

निवाई महासमिति के सदस्यों का जयपुर में हुआ सम्मान

निवाई. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल जयपुर मे दिगंबर जैन महासमिति निवाई के पदाधिकारियों का माला व दुपट्टा पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया। सम्मान प्राप्तकर्ता में निवाई नगर पालिका के पार्षद एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष महावीर प्रसाद पराणा, ज्ञानचंद जैन लायंस क्लब अध्यक्ष व पूर्व तहसीलदार एवं अशोक जैनएठ एवं प्रमुख समाज सेवी का सम्मान किया। मीडिया प्रवक्ता मोहन सिंघल ने बताया कि सम्मान प्राप्त कर लौटते समय अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में भगवान के दर्शन किए एवं आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

वेद ज्ञान

आचरण शुद्ध होना चाहिए...

हमारे व्यवहार से हमारी एक छवि बनती है और समाज इसी छवि से हमें जानता-पहचानता है। किसी भी मनुष्य की जैसी छवि बनती है, वह न केवल जीते जी उस छवि के कारण जाना जाता है, बल्कि मृत्यु के बाद भी लोग उसे उसी रूप में याद करते हैं। एक चर्चित विदेशी कवि का कहना है कि नाम में क्या रखा है। शायद इसका भावार्थ इसी संदर्भ में होगा कि व्यक्ति का नाम चाहे जो भी हो, लेकिन उसकी पहचान उसके व्यवहार से होती है। यानी व्यक्ति का नाम कितना ही सुंदर क्यों न हो, लेकिन यदि उसके व्यवहार में आत्मीयता नहीं होगी तो उसके नाम का कोई मतलब नहीं रह जाता है। इसी तरह कह सकते हैं कि कोई व्यक्ति कितना ही रूपवान क्यों न हो, लेकिन यदि उसके व्यवहार में आत्मीयता का लोप है तो उसका रूपवान होने का कोई विशेष महत्व नही है। समाज में आपकी छवि अच्छी हो, इसलिए हर इंसान को अपने व्यवहार में आत्मीयता रखनी चाहिए। वह जब भी किसी से बात करे तो सामने वाले को उसकी बात और व्यवहार में आत्मीयता नजर आनी चाहिए। आत्मीयता से मनुष्य दुश्मन को भी अपना मित्र बना लेता है और आत्मीय न होने पर मित्र भी दुश्मन बन जाते हैं। मनुष्य की वाणी उसके लिए वरदान व अभिशाप, दोनों है। मधुर वचन को औषधि के समान माना गया है, जो रोग का निवारण करते हैं और कटु वचन तीर की भांति हृदय को आघात पहुंचाते हैं। इसी तरह मानव जीवन में सदाचरण का बहुत बड़ा महत्व है। मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह सामाजिक नियमों का पालन करे। सामने वाले व्यक्ति से ऐसा व्यवहार करे, जिससे आत्मीयता की भावना जाग्रत हो। हम जैसा व्यवहार दूसरे के साथ करेंगे वैसा ही व्यवहार दूसरा भी हमारे साथ करेगा। इसलिए दूसरे से अच्छे व्यवहार की अपेक्षा करने से पहले हमें उसके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। हमारा व्यवहार हमारे आचरण पर निर्भर करता है। यदि आचरण शुद्ध हो तो व्यवहार स्वतः सुधर जाता है। व्यवहार और आचरण को हमारे पारिवारिक संस्कार और सामाजिक व्यवस्थाएं प्रभावित करती हैं। आचरण से हमारा व्यवहार प्रभावित होता है तो व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा।

संपादकीय

आइएनएस अरिहंत के जरिए कामयाब परीक्षण

परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आइएनएस अरिहंत के जरिए कामयाब परीक्षण के साथ ही भारत ने जल सेना के मोर्चे पर एक मील का पत्थर कायम किया है। इस परीक्षण को इसलिए ज्यादा महत्त्व दिया जा रहा है कि इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता है। गौरतलब है कि आइएनएस अरिहंत रणनीतिक लिहाज से भारत की सबसे महत्त्वपूर्ण पनडुब्बी है और जलक्षेत्र में युद्ध के मद्देनजर इसकी उपयोगिता जगजाहिर रही है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस मिसाइल का परीक्षण पूर्व निर्धारित सीमा तक किया गया। इसने बंगाल की खाड़ी में तय लक्ष्य पर जो निशाना साधा, वह पूरी तरह सटीक रहा। इससे पहले परीक्षण निश्चित पानी के नीचे के पोंटून से किए गए थे, लेकिन इस बार पनडुब्बी के जरिए ही मिसाइल छोड़ा गया। इसके अलावा, मिसाइल परीक्षण ने अपने सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को पूरा किया। इस सफल परीक्षण से यह भी साबित हुआ कि अब स्वदेशी

आइएनएस अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बियां दुश्मनों की किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, मौजूदा विश्व के बदलते आयाम के बीच समंदर और इसकी सतह के नीचे की क्षमताओं पर भी किसी युद्ध के नतीजे निर्भर करेंगे। पिछले कुछ सालों से भारत अपने आसपास जिस तरह की चुनौतियों से घिरा है और खासतौर पर चीन और पाकिस्तान का जैसा रुख सामने आता रहा है, उसमें हर मोर्चे पर बरती गई सावधानी ही एक सबसे अहम मोर्चा है। यों सैन्य संसाधनों के मामले में भारत पहले भी कमजोर नहीं रहा है, लेकिन अब नए और ज्यादा क्षमता वाले हथियारों से लैस होने की ओर बढ़ते कदम ने युद्ध की स्थिति में नया भरोसा पैदा किया है। आइएनएस अरिहंत की पनडुब्बी से किया गया ताजा परीक्षण भी इस लिहाज से एक बड़ी जरूरत को पूरा करता है कि मोर्चे पर तैनाती के बाद भारतीय बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां जल क्षेत्र से सीधे चीन और पाकिस्तान को निशाना बना सकती हैं। एक अहम तथ्य यह भी है कि भारत अब अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन के बाद बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस परमाणु शक्ति संपन्न पनडुब्बी रखने वाला दुनिया का छठा देश हो गया है। यानी कहा जा सकता है कि इस मामले में हमारा देश दुनिया की सैन्य महाशक्तियों की श्रेणी में खड़ा हो गया है। यों भारत अपनी ओर से युद्ध जैसे हालात पैदा करने की कोशिश कभी नहीं करता है, लेकिन अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना किसी भी संप्रभु देश का पहला दायित्व है। भारत को यह सावधानी बरतने की जरूरत खासतौर पर दो पड़ोसियों- चीन और पाकिस्तान की वजह से पड़ती रहती है। इन दोनों देशों की ओर से बिना किसी उकसावे या वजह के भी सैन्य मोर्चों पर जिस तरह की हरकतें सामने आती रही हैं, उसमें अगर भारत अपनी ओर से सावधान न रहे तो इसका बड़ा खमियाजा उठाना पड़ सकता है। यह पिछले कुछ सालों में अक्सर साबित होता रहा है, जब चीन मनमानी तरीके से भारतीय इलाकों में घुसपैठ करता या सैन्य दखल देता है या फिर पाकिस्तान सीमा पर अकारण गोलीबारी करने से लेकर आतंकवादियों को चुपके से सीमा पार कराने की कोशिश करता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

चुनाव का बिगुल...

मगर निर्वाचन आयोग ने हिमाचल प्रदेश में चुनाव और मतगणना की तारीख तो घोषित कर दी, पर गुजरात चुनाव की तारीखें बाद में घोषित करने को कहा। इसे लेकर तरह-तरह के राजनीतिक कयास लगाए जाने लगे। कुछ लोगों का कहना है कि निर्वाचन आयोग ने यह फैसला केंद्र सरकार के इशारे पर किया। आमतौर पर, और नियम के मुताबिक भी, जब एक से अधिक राज्यों की विधानसभा के कार्यकाल में पांच महीने का अंतर रहता है, तो उनके चुनाव एक साथ कराए और नतीजे भी एक ही दिन घोषित किए जाते हैं। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल अगले साल जनवरी में और गुजरात का फरवरी में समाप्त होगा। इसलिए दोनों के चुनाव एक साथ कराने की उम्मीद की जा रही थी। मगर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसने पिछले चुनाव के नियमों को ध्यान में रखते हुए तारीखें घोषित करने का फैसला किया। उस वक्त भी पहले हिमाचल में और फिर गुजरात में चुनाव कराए गए थे। मगर यह तर्क कई लोगों को गले नहीं उतर रहा। वे इसे सत्तारूढ़ भाजपा की सोची-समझी रणनीति के रूप में देख रहे हैं। कुछ लोग इसे दोनों राज्यों के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के आंकड़े की नजर से भी देख रहे हैं। हिमाचल और गुजरात में बेशक भाजपा की सरकार हो, पर पिछले चुनाव में इन दोनों राज्यों में उसे खासी चुनौती का सामना करना पड़ा था। यह भी कि पिछले तीन विधानसभा चुनावों से गुजरात में भाजपा की सीटें लगातार कम होती रही हैं। हिमाचल में भी पार्टी में अंदरूनी असंतोष की बात की जा रही है, जिससे पार पाना जरूरी है। पिछले चुनाव में उसके मुख्यमंत्री पद के दावेदार ही चुनाव हार गए थे। फिर सत्तारूढ़ दल को सत्ता-विरोधी लहर का भय तो सताता ही है। इसलिए विश्लेषकों का मानना है कि अलग-अलग चुनाव कराने से भाजपा को दोनों राज्यों में प्रचार और चुनावी रणनीति आदि बनाने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। मगर यह तर्क तो सभी राजनीतिक दलों पर लागू होता है। उन्हें भी उतना ही समय मिलेगा और उनके बड़े नेताओं को प्रचार का उतना ही मौका मिलेगा। इसलिए इसे सत्तारूढ़ दल की रणनीति कहना उचित नहीं जान पड़ता। चुनाव कराना खासा पेचीदा काम होता है। राज्यों की भौगोलिक स्थितियों, मौसम आदि का ध्यान रखते हुए इंतजाम करने पड़ते हैं। हिमाचल पहाड़ी राज्य है और वहां की ऊंचाई वाली जगहों पर मतदान केंद्र बनाना, मतदान कराना और फिर मतपेटियों को मतगणना केंद्रों तक पहुंचाना मैदानी इलाकों की अपेक्षा थोड़ा मुश्किल काम होता है। फिर दो राज्यों में एक साथ चुनाव कराने से चुनाव नतीजों के लिए तब तक लंबा इंतजार करना पड़ता है, जब तक दोनों राज्यों में मतदान की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। इस बार निर्वाचन आयोग ने मतदान और मतगणना के बीच की अवधि को कम कर दिया है। हालांकि दोनों राज्यों में राजनीतिक पार्टियों ने पहले से ही चुनाव की तैयारियां कर रखी हैं। भाजपा के प्रमुख प्रचारक वहां जाकर कई रैलियां कर चुके हैं।गुजरात में तो आम आदमी पार्टी ने कई महीने पहले चुनावी बिगुल फूंक दिया था और वह पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रचार में लगी हुई है। इसलिए हिमाचल में पहले चुनाव कराने को सियासी रणनीति के रूप में देखने के बजाय अब पार्टियों को अपने चुनावी मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

आस्था और हमारी संस्कृति हमें भगवान महावीर के दर्शन के लिए खींच लाई: किशनदान देवल

पांच देशों के राजदूतों ने भगवान महावीर के दर्शन किये

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में मंगलवार को 5 देशों के राजदूतों ने भगवान महावीर के मंदिर की चौखट पर मत्था टेककर ढोक लगा देश में अमन चैन न खुशहाली की कामना की। करौली दौरे पर आये पांच देशों के राजदूतो के दल में आर्मेनिया के किशन दान देवल, नामीबिया के प्रशांत अग्रवाल, दक्षिणी सूडान के विष्णु शर्मा, मोरक्को के राजेश वैष्णव, बुलगारिया के संजय राणा का मंदिर प्रबन्धकारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुंधाशु कासलीवाल व मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, संयुक्त मंत्री सुभाष चन्द्र जैन, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन आदि ने मंदिर के मुख्य द्वार पर गुलदस्ता भेट स्वागत किया। **प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि** तत्पश्चात पंडित मुकेश शास्त्री द्वारा भूगर्भ से प्रकटित मूलनायक भगवान महावीर की प्रतिमा के समक्ष विधि विधान से पूजा अर्चना करवाई। आरती एवं पूजा अर्चना कर सभी ने मनौतिया मांगी। मंदिर कमेटी द्वारा मुख्य मंदिर मे पांचों राजदूतों सहित जिला क्लेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक का माला पहनाकर, शॉल भेंटकर स्वागत किया। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि सभी राजदूतों ने ध्यान कक्ष को निहारते हुए ध्यान कक्ष में रखी विभिन्न रत्न पत्थरो से निर्मित सभी मूर्तियो एंव पत्थरों के बारे में जानकारी ली। पत्रकारों से वार्ता करते हुए आर्मेनिया के राजदूत किशन दान देवल ने कहा कि हमारी आस्था और संस्कृति भगवान महावीर के दरबार में खीच लाई। प्रधानमंत्री के साथ बैठक में श्रीमहावीर जी दौरे की चर्चा करेंगे। इस दौरान जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह जिला पुलिस अधीक्षक नारायण दोबस, पुलिस उप अधीक्षक हिंडौन किशोरी लाल, एसडीएम हिंडौन सुरेश हरसोलिया, तहसीलदार श्री महावीरजी भारत भूषण, मुख्य चिकित्सा अधिकारी दिनेश चंद्र, डीएसओ राम सिंह मीणा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी महावीर प्रसाद, नायक स्टेट नोडल अधिकारी राजेश, संयुक्त मंत्री सुभाष चन्द जैन, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन, डी के जैन, पंचायत समिति विकास अधिकारी सुनील कुमार मीना, सुरक्षा अधिकारी मोहर सिंह सहिते पंचायती राज विभाग सहित जिले के आला अधिकारी एवं सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आप अच्छे इंसान नहीं हैं तो मानव जीवन पाना और ना पाना बराबर है: आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में आचार्य गुरुवर सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित भट्टारक जी की नसिया में चातुर्मास हेतु विराजमान है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ, उपस्थित सभी श्रावको ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। इसके पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे कमल चन्द ,पदम चन्द बिलाला ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया, मंगलाचरण प्रमोद जैन कानपुर ने तथा मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि बाहर से पधारे समाज बन्धुओं ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण किया ।चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया धर्मसभा में आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कमल चन्द, अनिल कुमार बडजात्या सेवा वाले परिवार ने किया। पूज्य गुरु देव को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। आर्यिका 105 श्री संपन्न मति माताजी ने अपने मंगल प्रवचन में कहा धर्म कैसे करेंगे ,किस रूप में करेंगे, कल्याण कारकम ग्रंथ में कहा गया है, संतान की उत्पत्ति धर्म परंपरा को बढ़ाने के लिए होनी चाहिए, विषय वासना के लिए नहीं होनी चाहिए। हमारे आराध्य कौन हो हम किस से प्रेरित हो, यह विचार अवश्य होना चाहिए। आज सब लोग सेलिब्रिटीज, खिलाड़ी फिल्म अभिनेता आदि को प्रेरणा मानते हैं और हमारे समक्ष आचार्य भगवन, इतने बड़े तपस्वी विराजे हुए हैं इनको अपना प्रेरणा स्त्रोत मानिए। मुनि श्री सुश्रुत सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा चातुर्मास समापन की ओर अग्रसर हो रहा है, निष्ठा पन के समय पिच्छी परिवर्तन होगा 6 नवंबर के दिन संयम के इस उपकरण को प्राप्त करने के लिए आपको एक फार्म भरना होगा और उसमें लिखे नियमों का पालन करने वाले ही इस पिच्छीका को प्राप्त कर सकेंगे। पूज्य आचार्य भगवंत ने अपने मंगल उद्बोधन में श्रावकों को उपदेश देते हुए कहा वंदामी चौबीस जिनेशम। यूं तो दुनिया रहने लायक नहीं है फिर भी दुनिया में रहना है। तो तीन जगह रहने लायक हैं किसी के विचारों

में रहना है, किसी की दुआओं में रहना है ,और देव शास्त्र गुरु की सेवा में रहना है। हम लोग बहुत लापरवाही कर देते हैं कभी-कभी बड़े बुजुर्गों को हटा देते हैं। तो समझ लीजिए आप अच्छे इंसान नहीं हैं मानव जीवन पाना और न पाना बराबर है। जैसे जैसे राग द्वेष बढ़ते हैं तो संसार बढ़ता है। सबसे बड़ा भय मृत्यु का होता है। मां पिता की लापरवाही से बच्चे अपंग हो जाते हैं विक्षिप्त भी हो जाते हैं। पशु-पक्षी भी मरना नहीं चाहते हैं जैसे हम सभी को अपना जीवन प्यारा है वैसे ही वह भी मरना नहीं चाहते, फिर भी बकरे पर निरीह प्राणी पर जो लोग घात करते हैं यही समझ में आ जाए तो हमारे जीवन में किसी का भी घात नहीं हो ।लुधियाना से आए एक श्वेतांबर जैन श्रावक ने कहा अद्भुत है जैन शासन और मुनियों की तप साधना, आज इस युग में साधु कहां दिखते हैं, आप जैसा वीतरागी निर्ग्रन्थ गुरु समक्ष है, तो उनके समान कोई भी नहीं है। उत्साहित करने से मन में भावना जागृत होती है कहीं भी रहकर जैन धर्म का पालन किया जा सकता है चीटियां भी वहीं रहती हैं, वहीं जाती है,जहां शक्कर होती है इसलिए जीवन में मिठास सदैव बनी रहनी चाहिए। विचार करो सामायिक में क्या करें यही विचार करो इन भावों का क्या होगा हमें अच्छे भाव रखकर निर्मलता मन में रखकर रहना चाहिए। तृष्णा मत बढ़ाओ, धर्म ध्यान में रुचि बढ़ाओ। सदा संतोष में रहो, मन में शांति रखो ,अपने आप को जबरदस्ती मोह में मत डालो। जैसा प्राकृतिक जीवन है उसकों ही सही मानो दिखावा नहीं करो शांत जीवन जियो।

आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

दौड़कर मंजिल प्राप्त नहीं की जाती है

निवाई. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ अग्रवाल दिगंबर जैन मंदिर निवाई में परम पूज्य भारत गौरव आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में प्रातः अभिषेक शांति धारा के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा हुई। जैन समाज के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि आर्यिका श्री ने श्रृद्धालुओं को धर्म सभा में सम्बोधित करते हुए कहा कि अनादि काल से आज तक हमने अपनी मंजिल को दौड़ कर प्राप्त करना चाहा है। दौड़कर मंजिल प्राप्त नहीं की जाती है जिस प्रकार कोई व्यक्ति अपनी परछाई को दौड़कर के प्राप्त नहीं कर सकता। जितना ज्यादा दौड़ता है परछाई उतनी ही ज्यादा आगे दौड़ती चली जाती है किंतु जैसे ही ठहर जाता है परछाई भी डर जाती है। हमारा ठहरना हमारा स्वभाव है इसलिए हमें ठहराना ही पड़ेगा।

कोविड वैक्सीनेशन कैंप में 320 लोग लाभान्वित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जगतपुरा स्थित विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी की एनएसएस इकाई की ओर से बुधवार को यूनिवर्सिटी कैंपस में मेघा कोविद वैक्सीनेशन कैंप लगाया गया ।इसमें पीएससी गोनेर के विशेषज्ञों द्वारा 320 लोगों को वैक्सीन लगाई गई कैंप के संयोजक एवं सोशल आउटरीच सेल एक्टिविटी इंचार्ज लेफ्टिनेंट कृष्णा नंदन ने बताया कि यह तृतीय शिविर था जिसमें स्टूडेंट्स फैकल्टी स्टाफ मेंबर्स के साथ-साथ आसपास की स्थानीय निवासियों का भी उत्साह देखने को मिला यहां दांतली सीसी आवास वे जगतपुरा से तड़के युवाओं की भी काफी संख्या रही पंजीकरण की प्रक्रिया के बाद स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा लाभार्थियों को फर्स्ट सेकंड वे बूस्टर डोज लगाई गई जिसमें बूस्ट डोर लगाने वालों की संख्या सर्वाधिक रही स्टूडेंट्स को कबीर से बचाव के लिए वैक्सीन के साथ मास्क सेनीटाइजर की उपयोगिता इम्यूनिटी बढ़ाने पर जोर दिया के संचालन में यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट काउंसिल एवं वी एस एस ए क्लब का सहयोग रहा।

भूला दिए परमात्मा के सिद्धांत, छीनने में लगे एक-दूसरे का काम: समकितमुनिजी

जन्म नहीं कर्म से ही बनता महान या घटिया इंसान

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। दुनिया में हर कोई कमजोर व दुर्बल को दबाने में लगा हुआ है। भाई इतना खतरनाक होता है कि भाई को भी भाई पहचानने से इंकार कर देता है। इंसान भिखारी को फिर भी कुछ दे दे लेकिन भाई को नहीं देना चाहता। जंगल में निवास करने मात्र से कोई मुनि नहीं बन जाता। श्रावक उसको कहां जाता है जो सामायिक करें यहां सामायिक का मतलब समभाव से है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान या घटिया बनता है। ये विचार श्रमणसंघीय सलाहकार सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में मंगलवार को परमात्मा भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना **''आपकी बात आपके साथ''** के 20 वें दिन व्यक्त किए। इसके तहत आगम के 36 अध्यायों में से 25 वें अध्याय यज्ञीय एवं 26 वें अध्ययन समाचारी का वाचन करने के साथ इनके बारे में समझाया गया।

बड़ो का आशीर्वाद लेकर ही निकलें घर से बाहर

समकितमुनिजी म.सा. ने कहा कि हर घर के कुछ नियम व मर्यादाएं तय होती है जिसकी पालना परिवार के प्रत्येक सदस्य को करनी चाहिए। ऐसा नहीं करने से समस्याएं आती हैं। घर से बड़ों का आशीर्वाद लेकर ही निकलना चाहिए और वापस लौटने पर भी सूचित करना चाहिए। कोई भी पिता अपने पुत्र का दुश्मन नहीं होता उसके हित की ही सोचता है। उन्होंने कहा कि पूछकर कार्य करने की आदत डालने पर गड़बड़ी होने की संभावना कम रहेगी। ये मानकर चले कि बड़ो का जन्म देने के लिए होता है लेने के लिए नहीं। हमेशा बड़े से आपको दुआ ही मिलेगी। किसी को भी कार्य देने से पहले उसकी इच्छा पूछ लो। बिना इच्छा कार्य देने पर अनुकूल परिणाम नहीं मिलेगा। घर के बड़ो को हमेशा खुश रखना चाहिए। जिस घर में बुर्जुग खुश नहीं होते वहां कभी देवी-देवता खुश नहीं रह सकते।

उन्होंने कहा कि कर्म के आधार पर ही व्यक्ति को ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र कहा गया है। वर्तमान बेरोजगारी की दशा का मूल कारण परमात्मा के बनाए उस सिद्धांत को भूला देना है जिसमें नाई के घर वाले नाई का और दर्जी के घर वाले दर्जी का ही कार्य करते थे। सबके

उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना का 20 वां दिन...

कार्य बंटे होने से किसी के सामने बेरोजगारी का खतरा नहीं था। अब हालात बदल गए है और बड़ी कंपनियों ने सारे कार्य हथिया लिए है और छोटे व्यवसाईयों के सामने भी धंधा चौपट होने का खतरा है। मुनिश्री ने कहा कि पहले घर में जन्म लेते ही ये तय होता था कि आगे ये कार्य करना है लेकिन अब हर कार्य हर कोई कर रहा है। एक-दूसरे का कार्य छीनने के प्रयास में बेरोजगारी बढ़ती गई। पहले एक व्यवस्था तय होने से आगे का सोचना नहीं पड़ता था लेकिन अब बड़े कारोबार कुछ लोग के हाथों में रह गए है। धर्मसभा के शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। लक्की ड्रॉ के माध्यम से भाग्यशाली श्रावक-श्राविकाओं को प्रभावना में चांदी के सिक्के लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रदान किए गए। अतिथियों का स्वागत एवं धर्मसभा का संचालन शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया।

तीर्थंकर मल्लिनाथ भगवान विधान पूजन मे मांडले पर कलश स्थापना एवं अर्घ समर्पित

भक्ति अर्चना आत्मा को पवित्र बनाती है :मुनि संबुद्ध सागर जी

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। भक्तों का सबसे पहला कर्तव्य होता है भगवान के अभिषेक- पूजा करना, जो व्यक्ति अन्य सारे काम तो करता है किंतु जिनेन्द्र अभिषेक-पूजा नहीं करता वह व्यक्ति नाम का भक्त होगा, धर्म का भक्त नहीं माना जाएगा यह बात मुनि संबुद्ध सागर महाराज ने छोटा धडा नसियां धर्म सभा मे कही। मुनिश्री ने उपस्थित भक्तगणों से कहा कि हमें अपने जीवन में भगवान की भक्ति अर्चना कभी भी नहीं छोड़नी चाहिए, भक्ति अर्चना हमारी आत्मा को पवित्रता की ओर ले जाती है। पदम चन्द सोगानी ने बताया 24 दिवसीय प्रभु आराधना महोत्सव के पावन अवसर पर मंगलवार को प्रात तीर्थंकर मल्लिनाथ भगवान विधान पूजन मे मिलापचन्द, पदमचन्द, महावीर चन्द, धर्मचन्द कासलीवाल परिवार ने मांडले पर मंगल कलश स्थापन कर पूजा के सुसज्जित अर्घ समर्पित किये एवं शाम को भगवान मल्लिनाथ चालीसा का पाठ तत्पश्चात जाप्य स्तवन व श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य करते हुए महाआरती की इस अवसर पर समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल, कोमल लुहाडिया, मिलापचन्द, पदमचंद, महावीर चन्द कासलीवाल, धर्मचन्द कासलीवाल, रिपेन्द्र कासलीवाल, विनय पाटनी, लोकेश ढिलवारी आदि मौजूद थे।

नेत्र चिकित्सा शिविर में 13 सफल आपरेशन किए गए

लायन्स क्लब निवाई के तत्वावधान में हुआ

निवाई. शाबाश इंडिया। राजकीय सामूदायिक चिकित्सालय मे लायन्स क्लब निवाई के तत्वावधान में नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया जिसमें 13 रोगियों के सफल आपरेशन किए गए। लायन्स क्लब के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि मंगलवार को नेत्र चिकित्सा शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डाक्टर ममता बिजरानियां के नेतृत्व में कम्पाउंडर रिषभ जांगीड़ ने 13 नेत्र रोगियों के सफल आपरेशन किए। इस दौरान लायन्स क्लब द्वारा प्रत्येक रोगियों को अल्पाहार करवाया गया। जौंला ने बताया कि शिविर में लायन्स क्लब के अध्यक्ष ज्ञानचंद सोगानी, संरक्षक हुकमचंद जैन, सत्यनारायण मोठूका, महेन्द्र लावा, ब्रजमोहन शर्मा, सीताराम स्वामी, हेमंत जैन, विमल जौंला एवं डॉक्टर के.के.विजय, डॉक्टर राजेश छाबड़ा सहित कई पदाधिकारियों ने सेवाएं दी। जौंला ने बताया कि माह के प्रत्येक सोमवार को नेत्र रोगियों के रजिस्ट्रेशन किए जाते हैं एवं मंगलवार को नेत्र रोगियों के आपरेशन किए जाएंगे।

भुज के अर्थक्वेक म्यूजियम स्मृति वन में पधारे डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी एवं मुनि आदित्य कुमारजी

कच्छ भुज. शाबाश इंडिया

मुनिश्री पुलकित कुमारजी मुनि आदित्य कुमारजी कच्छ भुज के अर्थक्वेक म्यूजियम (भूकंप संग्रहालय) में पधारे जिसका कुछ दिनों पूर्व ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। तेरापंथी सभा भुज के कोषाध्यक्ष भरत बाबरिया तथा तेयुप के संगठन मंत्री आदर्श संघवी ने सेवा का लाभ लिया। म्यूजियम के एग्जीक्यूटिव मैनेजर आर एस नौलखा ने मुनि श्री का म्यूजियम पधारने पर स्वागत किया। गाइड विजय कुमार ने 7 विभागों में बने विशाल अर्थक्वेक म्यूजियम की व्यवस्थित जानकारी प्रदान की।

संजय रायजादा "भूपेन हजारिका समर्पण समाज गौरव 2022" अवॉर्ड से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के सुप्रसिद्ध गायक संजय रायजादा को समाज सेवा में अग्रणी **''समर्पण संस्था''** जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवा दे रही द्वारा भूपेन हजारिका समर्पण समाज गौरव 2022 अवॉर्ड से एक समारोह मे सम्मानित किया गया। समारोह के अंतर्गत भारत के विभिन्न प्रांतों की प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संजय रायजादा ने बताया कि ईश्वर कृपा और माता पिता व गुरुजनों के आशीर्वाद से मुझे संगीत के क्षेत्र में 'भूपेन हजारिका समाज गौरव सम्मान 2022' प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

मुनिश्री चिन्मय सागर जी समाधि दिवस पर विनयांजलि दी

कोटा. शाबाश इंडिया

जंगल वाले बाबा छपकराज मुनि 108 चिन्मय सागर जी महाराज का समाधि दिवस मनाया गया। जैन समाज ने इस मौके पर मुनि श्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुनिश्री के समाधि दिवस पर शान्ति धारा करने का सोभाग्य चिरंजीलाल अशोक कुमार पाटोदी परिवार को मिला शांतिधारा के पश्चात महाराज श्री की पुजन करते लालचंद, कमल कुमार, ललित कुमार ,सुभाष चन्द, महेन्द्र कुमार, विनोद कुमार, विकास, पंकज निरज पहाड़िया रामेश्वर लाल , भानु कुमार, राजेश, प्रदीप कुमार,गंगवाल चिरंजीलाल, विमल चन्द, ललीत कुमार, सुरेश कुमार पाटोदी भंवरलाल झांझरी भागचंद अजमेरा तेजकुमार बड़जात्या सोहनलाल, सुरेन्द्र, माणक चन्द, सन्तोष काला, सुरेश कुमार, मनोज पाडया श्रावक-श्राविकाओं ने पुजन में बड़े भक्ति भाव से अर्ध्य समर्पित किए। इस मौके पर सुभाष पहाड़िया ने बताया की पूज्य मुनिश्री की प्रेरणा से हजारों-लाखों लोगों ने शाकाहार को अपनाया, जुआ, मांस, मदिरा का त्याग किया जिससे उनके जीवन को एक नई दिशा मिली। न केवल जैन समुदाय बल्कि हजारों जैनेतर बंधु उनके भक्त थे। उनके पास जो भी आता था उन्हें वह व्यसन मुक्त जीवन जीने की प्रेरणा देते थे। उनके उपदेश से प्रभावित हो हजारों लोगों ने व्यसन त्याग किया और एक नया जीवन प्राप्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com